अनुक्रमांक / Roll No.

परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक यहाँ लिखें।
Candidate should write his/her Roll No. here

कुल प्रश्नों की संख्या : 1+1
Total No. of Questions : 1+1

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 06
No. of Printed Page : 06

M-2019
PAPER-IV

सामान्य अध्ययन
18.12.2022

पूर्णांक : 200
Total Marks : 200

महत्वपूर्ण निर्देश
IMPORTANT NOTES

(अ) हिंदी व्याकरण / हिंदी निबंध के प्रश्न पत्र को छोड़कर अन्य सभी प्रश्नो का हिंदी अथवा अंग्रेजी में उत्तर लिखा जा सकता है।
Except Hindi Grammar / Hindi Essay question paper, all other question papers can be written either in Hindi or English language.

(ब) अभियर्थिओ को अपने उत्तर निर्धारित शब्दों की सीमा से अधिक नहीं लिखना चाहिए। इसका उल्लंघन करने पर अंक कटे जाएंगे। अभ्यर्थी लाइनों के अंदर ही लिखे। खली स्थान पर कृपया न लिखे।
The Candidates should not write the answer beyond the prescribed limit of word; failing which, marks will be deducted. Candidate should write answer within the given lines. Please do not write in the blank space.

(स) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर प्रश्नोत्तर पुस्तिका में निर्धारित स्थान पर ही लिखे। प्रश्नोत्तर पुस्तिका (रफ कार्य के पृष्ठ सहित) के अंदर किसी भाग पर अनुक्रमांक अन्य कोई नाम, पता, या अन्य कोई पहचान चिन्ह अंकित न करें।
Please write answers only in the prescribed space of booklet. Do not make any mark of identity inside the booklet (including rough paper page) like roll number, name, anyother name, address or such other mark.

(द) यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो तो प्रश्न के हिंदी तथा अंग्रेजी रूपांतरों में से हिंदी रूपांतर मान्य होगा।
If there is any short of ambiguity/ mistake ether of printing or of factual nature then out of Hindi and English version of the question, the Hindi Version will be treated as standard.

विशेष निर्देश
SPECIAL INSTRUCTION

(अ) इस खंड में तीन मुख्य प्रश्न है जिसके अंतर्गत क्रमशः अति लघु उत्तरीय, लघु उत्तरीय एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछे गए है। प्रश्नों के अंतर्गत विकल्प दिए गए है। प्रत्येक प्रश्न के समक्ष उसके पूर्णांक अंकित किये गए है।
There are three questions as very short type, short type and long type questions in this part, in which there are sub questions in each question. There are internal choice in questions. The Maximum marks are printed in front of each question.

खंड–अ (PART-A)

प्रश्न 1: इस प्रश्न में 15 अतिलघुउत्तरीय उप प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 20 शब्दों में देना है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का हैं।

Q. 1 : This question contains 15 very short type sub question. Answer each question in maximum 20 words. All questions are compulsory. Each question carries 03 (Three) marks. (15x3=45)

1.1 अरस्तू के उदार व्यक्ति की अवधारणा क्या है?
What is the concept of Magnanimous Individual of Aristotle?

1.2 गौतम बुद्ध के मध्य मार्ग की अवधारणा को परिभाषित कीजिए।
Define the concept of Middle course of Gautam Buddha.

1.3 रवीन्द्रनाथ टैगोर के साहित्य कार्य पर एक टिप्पणी लिखिए।
Write a note on Literature work of Rabindranath Tagore.

1.4 अंतर्निहित और स्पष्ट दृष्टिकोण से आप क्या समझते हैं?
What do you understand by Implicit and Explicit Attitude.

1.5 मनोवृत्ति और व्यवहार में क्या अंतर है?
What is the difference between Attitude and behaviour.

1.6 अभिवृत्ति की कोई तीन विशेषताएँ लिखिए।
Write any three characteristics of Attitude.

1.7 शासन में सत्यनिष्ठा की क्या उपयोगिता है?
What is the utility of Integrity in governance.

1.8 प्रशासन में सहानुभूति का क्या उपयोग है?
What is the use of empathy in administration.

1.9 भारतीय समाज में कमजोर वर्ग के प्रति सहिष्णुता और करुणा क्यों महत्वपूर्ण है?
Why tolerance and compassion towards weaker section is important in Indian society?

1.10 भावनात्मक बुद्धिमत्ता का गोलमैन का मिश्रित मॉडल क्या है?
What is Goleman's mixed model of Emotional Intelligence?

1.11 भावनात्मक बुद्धिमत्ता और नेतृत्व के बीच क्या संबंध है?
What is the relationship between emotional intelligence and leadership?

1.12 आलोचना की कला से आप क्या समझते हैं?
What do you understand by Art of criticism?

1.13 एस्टीम से आप क्या समझते हैं?
What do you understand by Esteem?

1.14 लोक प्रशासन में नैतिकता का क्या महत्व है?
What is the importance of ethics in public administration?

1.15 लोक सेवकों द्वारा सामना की जाने वाली विभिन्न नैतिक दुविधाएं क्या हैं?
What are the various ethical dilemmas faced by public servants?

प्रश्न 2: इस प्रश्न में से किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में देना है। प्रत्येक प्रश्न 06 (छः) अंकों का हैं।

Q. 2 : This question contains 15 question. Answer of questions in maximum 150 words. Each question carries 06 (Six) marks. (15x6 =90)

2.1 भ्रष्टाचार से आप क्या समझते हैं ? भ्रष्टाचार के विभिन्न कारणों और प्रकारों की भी व्याख्या कीजिए।
What do you understand by corruption? Also explain various causes and types of corruption.

2.2 भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए भारत के संस्थागत ढांचे पर चर्चा करें?
Discuss institutional framework of India to fight corruption?

2.3 सूचना का अधिकार अधिनियम के कार्यान्वयन में विभिन्न कठिनाइयाँ क्या हैं?
What are the various difficulties in implementation of right to information act?

2.4 व्याख्या करें कि विवेक, नैतिक निर्णय लेने के लिए निरंतर मार्गदर्शक कैसे है?
Explain how conscience is consistent guide to ethical decision making?

2.5 सिविल सेवकों की व्यक्तिगत नैतिकता पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
Write a short note on Individual ethics of civil servants.

2.6 अभिप्रेरणा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
Write short note on motivation.

2.7 मानव की जरूरतें ऐसी चीजें हैं जिनकी सामान्य वृद्धि और विकास के लिए सभी मनुष्यों को आवश्यकता होती है। आप इस कथन से क्या समझते हैं?
Human needs are things all humans require for normal growth and development. What do you understand by this statement?

2.8 व्यक्तिगत अंतर के विभिन्न कारण क्या हैं?
What are the various causes of Individual difference?

2.9 सरकार के संदर्भ में भावनात्मक बुद्धिमत्ता का क्या महत्व है?
What is the importance of Emotional Intelligence in reference to the Government?

2.10. सत्यनिष्ठा तब भी सही काम कर रही हो जब कोई देख नहीं रहा हो। इस कथन पर चर्चा कीजिए।
Integrity is doing the right thing even when no one is looking. Discuss this statement.

2.11. पूर्वाग्रह और भेदभाव से आप क्या समझते हैं? पूर्वाग्रह के समाधान पर भी चर्चा करें।
What do you understand by Prejudice And Discrimination? Also discuss solution to prejudice.

2.12 प्रेरक संचार पर एक संक्षिप्त नोट लिखें?
Write a short note on Persuasive communication?

2.13 भारतीय समाज के उत्थान में स्वामी विवेकानंद की क्या भूमिका है?
What is the role of swami Vivekananda in upliftment of Indian society?

2.14 भारतीय समाज के लिए सर्वपल्ली राधाकृष्णन का क्या योगदान है?
What is the contribution of Sarvpalli Radhakrishnan for Indian society?

2.15 ब्रह्म समाज की विभिन्न विशेषताओं की सूची बनाइए।
Make a list of various features of Brahmo samaj.

2.16 तुलसीदास के जीवन और उपलब्धियों पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
Write a short note on life and achievements of Tulsidas.

2.17 गौतम बुद्ध के किन्हीं तीन दर्शनों की चर्चा कीजिए।
Discuss any three philosophies of Gautam Buddha.

2.18 दीन दयाल उपाध्याय के जीवन और उनके विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यों पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
Write a short note on life of Deen Dayal Upadhyaya and his various important works.

प्रश्न 3: इस प्रश्न में (केस स्टडी) उप–खंड है। प्रत्येक उप–खंड में प्रश्न होंगें तथा सभी प्रश्न अनिवार्य है। (कुल अंक 30)

This question has (Case Study) sub-section. Each sub-section will have questions and all questions are compulsory. (Total number 30)

केस स्टडी –

आप एक नीति थिंक–टैंक के प्रमुख हैं। देश की राजधानी में आवासीय कॉलोनी बनाने के लिए 10 हजार से ज्यादा पेड़ों को काटने का प्रस्ताव है. शहर में देश में सबसे अधिक बेघर आबादी रहती है और उनके लिए बस्ती का उपयोग किया जाएगा। इस खबर ने बहुत सारी सार्वजनिक बहस पैदा की है। जहां एक ओर बढ़ती आबादी की मांगों को पूरा करने के लिए शहरी बुनियादी ढांचे का विस्तार करने की आवश्यकता है, वहीं दूसरी ओर पर्यावरणीय चिंता है। पिछले दस वर्षों में, शहर ने अपना आधा से अधिक हरित आवरण खो दिया है और चरम जलवायु घटनाओं की आवृत्ति में वृद्धि देखी है। आपको नीति निर्माताओं और संबंधित नागरिकों के लिए एक व्याख्यान देने के लिए कहा जाता है, जिसमें आपको विशेष रूप से निम्नलिखित प्रश्नों से निपटना है :

(अ) आपको क्यों लगता है कि पहली बार में ऐसी स्थितियां उत्पन्न होती हैं जहां विकासात्मक गतिविधियां और पर्यावरण संबंधी चिंताएं अक्सर एक–दूसरे के विरोधी के रूप में सामने आती हैं?

(ब) ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक समाधान क्या होने चाहिए?

(स) नीति निर्माण और नियोजन प्रक्रिया में पर्यावरण संबंधी चिंताओं को शामिल करने के संभावित लाभ क्या हैं?

Case Study -

You are the head of a policy think-tank. There is a proposal to cut down more than 10,000 trees to build a residential colony in the capital of the country. The city has one of the highest homeless population in the country and the settlement will be used for them. This news has generated a lot of public debate. While on the one hand is the need to expand urban infrastructure in order to meet the demands of the growing population, on the other, is the environmental concern. In last ten years, the city has lost more than half of its green cover and has seen increased frequency of extreme climatic events. You are asked to deliver a lecture for the policymakers and concerned citizens, in which you have to specifically deal with the following questions:

(a) Why do you think such situations arise in the first place where developmental activities and environmental concerns often come out as antithetical to each other?

(b) What should be the short-term and long-term solutions for tackling such situations?

(c) What are the potential benefits of inculcating environmental concerns in the policy making and planning process?

या OR

केस स्टडी –

हम ऐसे समय में रहते हैं जब लगभग हर चीज खरीदी और बेची जा सकती है। पिछले कुछ वर्षों में, बाजार और बाजार मूल्य हमारे जीवन को इस तरह नियंत्रित करने लगे हैं जैसे पहले कभी नहीं थे। आज क्रय–विक्रय का तर्क केवल भौतिक वस्तुओं पर ही लागू नहीं होता बल्कि उत्तरोत्तर संपूर्ण जीवन को नियंत्रित करता है। हालांकि, व्यापक रूप से यह महसूस किया जा रहा है कि बाजार नैतिकता से अलग हो गए हैं और हमें किसी तरह उन्हें फिर से जोड़ने की जरूरत है। सामाजिक वस्तुओं के आवंटन के लिए बाजारों का उपयोग भी चिंता का कारण रहा है। इस संदर्भ में, निम्नलिखित का उत्तर दें :

(अ) क्या लालच पूरी तरह से एक दोष या चरित्र का लक्षण है जिसके सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पक्ष हैं? क्या आप इसे उपयोगितावादी दर्शन से संबंधित कर सकते हैं जो आर्थिक भलाई के आधार के रूप में व्यक्तियों द्वारा स्व–हित की खोज पर जोर देता है?

(ब) क्या ऐसी कुछ चीज़ें हैं जो पैसे से नहीं खरीदी जा सकती है? उदाहरणों के साथ समझाइए।

(स) उपर्युक्त गद्यांश का सार क्या है?

Case Study -

We live in a time when almost everything can be bought and sold. Over the past few years, markets and market values have come to govern our lives as never before. Today the logic of buying and selling no longer applies to material good alone but increasingly governs the whole of life. However, there is a wide spread realization that markets have become detached from morals and we need to somehow reconnect them. The use of markets to allocate social goods has also been a cause of concern. In this context, answer the following:

(a) Is greed wholly a vice or a trait of character that has both positive and negative sides? Could you relate it to the utilitarian philosophy that emphasizes pursuit of self-interest by individuals as the basis of economic wellbeing?

(b) Are there some things that money shouldn't buy? Illustrate with examples.

(c) What is the essence of above passage?

प्रश्न 4: इस प्रश्न में (केस स्टडी) उप–खंड है। प्रत्येक उप–खंड में प्रश्न होंगें तथा सभी प्रश्न अनिवार्य है। (कुल अंक 35)

This question has (Case Study) sub-section. Each sub-section will have questions and all questions are compulsory. (Total number 35)

4.1 केस स्टडी –

भारत में दुनिया के दृष्टिबाधित लोगों का पांचवां हिस्सा वास करता है। किसी भी प्रकार की विकलांगता का सामाजिक–आर्थिक वर्णक्रम पर निश्चित प्रभाव पड़ता है। राष्ट्रों द्वारा गरीबी और अंधेपन संबंधित आर्थिक लागत के बीच गठजोड़ से संबंधित विभिन्न अध्ययन हुए हैं। इन सबसे ऊपर है अंधेपन की समस्या से जूझ रहे व्यक्ति की भावनात्मक कीमत। इस मुद्दे के आयामों को ध्यान में रखते हुए, अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन और नीति विश्लेषण संस्थान ने नेत्रहीन लोगों के सामने आने वाली चिंताओं और उनसे निपटने के लिए एक राष्ट्र के रूप में हमारी तत्परता को सामने लाने के लिए इस विषय को एक अभूतपूर्व दृष्टिकोण से देखने का फैसला किया। श्री कृष्ण गोपाल तिवारी का मामला समस्या की बारीकियों को गहराई से सामने लाने और देश के मौजूदा कानूनी और संस्थागत ढांचे के आलोक में संभावित समाधानों पर चर्चा करने के लिए एक उपयुक्त उदाहरण है।

1. विकलांग लोगों के जीवन के मूल्य से संबंधित मुद्दे बताइये?
2. ऐसे मुद्दे जो विकलांग लोगों के अधिकारों से संबंधित हैं, लिखिए।
3. क्या आपको लगता है कि सरकारी पदों पर विकलांग लोगों के लिए आरक्षण रखना अच्छा विचार है?
4. आपके सामने कोई भी ऐसा मामला सामने आया है जो प्रेरक और नेत्रहीन लोगों की सफलता से संबंधित हो, उसे स्पष्ट करें।
5. निःशक्तजनों को दैनिक जीवन में किन विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ता है?

India is home to one-fifth of the world's visually impaired people. Disability be it of any type has a definite impact on the socio-economic spectrum. There have been various studies correlating the nexus between poverty and blindness and the related economic cost incurred by the nations. Topping it all is the emotional price of the person dealing with the problem of blindness. Considering the dimensions of the issue, Atal Bihari Vajpayee Institute of Good Governance and Policy Analysis decided to look into the subject from a phenomenological perspective to bring out the concerns faced by the blind people and our readiness as a nation to deal with them. The case of Shri Krishna Gopal Tiwari is a fit example to bring out the nuances of the problem in an in-depth manner and discuss the possible solutions in the light of the existing legal and institutional framework of the country.

1. Issues concerning the value of the lives of disabled people.
2. Issues that concern the rights disabled people.
3. Do you think keeping reservation for differentially abled people in government post is good idea?
4. Explain any case came in front of you which is motivational and related to success of Blind peoples.
5. What are the various problems faced by differentially abled people in Daily life?

KAUTILYA ACADEMY
INDORE